

आली मोहे लागै वृन्दावन नीको ।

घर घर तुलसी ठाकुर सेवा ।
दर्शन गोविन्द जी को ॥

आली मोहे लागै..... ॥ 1 ॥
निर्मल नीर बहत यमुना को ।

भोजन दूध दही को ॥
आली मोहे लाग॥2 ॥

रत्न सिंहासन आप विराजे ।
मुकुट धरयौ तुलसी को ॥

आली मोहे लागै...॥3 ॥

कुँजन कुँजन फिरत राधिका ।
शब्द सुनत मुरली को ॥

आली मोहे लागै....॥4॥

निधिवन सेवा कुँज दरस हिताः ।
लीला रास थली को ॥

आली मोहे लागै.....॥5 ॥

मीरा कहे प्रभु गिरधर नागर ।
भजन बिना रस फीको ॥

आली मोहे लागै.....